

The Editor

Varanasi

Press-Note

Ferris State University (USA) gets 'spiritual', lands at SMS Varanasi campus

VARANASI: A Group of sixteen professors and scholars of the Ferris State University, Michigan (USA) landed at the School of Management Sciences, Varanasi (SMS) for a couple of days to know and understand the Indian view-point of 'spirituality' and how it adds to the ethical dimension in understanding management practices in the contemporary world. Prof. (Mrs.) Krishnakali Mazumdar and Prof. Tracy Bush along with their students selected SMS, Varanasi for such a noble cause. The delegates are on an educational trip to India.

The delegates, on reaching the SMS Campus at Khushipur, were welcomed by the Director Prof. P. N. Jha, the Executive Secretary of SMS Society, Dr. M. P. Singh, the Registrar, Mr. Sanjay Gupta; senior faculty members Dr. Sanjay Saxena, Mr. Alok Kumar, Dr. Meenakshi Singh and Mr. Amitabh Pandey. After having a campus tour for an hour, the Visiting dignitaries assembled in the Conference Hall for a guest lecture by a renowned expert on 'spirituality and human values', Prof. A. N. Tripathi (Former Head, Malviya Centre for Human Values, BHU and Prof of Electrical Engineering, IT-BHU) who apprised them of the meaning and values associated to human life through the Indian route.

Prof. Tripathi delivered his thought on the 'Purusharth', meaning values of Life. He interpreted the meaning of Arth, Dharm, Kaam and Moksh with focus on Dharm which encapsulates the ethical and moral values and governs every aspect of life. He said 'non-violence' is a truth of highest order. Business is a way to contribute to human civilization and we all must educate business managers on spiritual values, he added. Later, a 'Yoga' camp was also organized for the visiting delegation from USA under the aegis of the

Centre for Spirituality and Human Enrichment (C-SHE) of SMS coordinated by Dr. Ravikant and faculty member of SMS, Mr. Sandeep Singh.

According to the Director, Prof. P. N. Jha, such visits from all global corners of importance to our country enhance the overall understanding of the global management culture for the future managers and it is always a pleasure to see such delegations getting attracted by the excellent work done by SMS Varanasi on this platform which enhances our speed on way to achieve our well guided mission. Needless to mention that SMSVaranasi already has academic tie-up with top-notch Universities of USA, Brazil and Hungary in terms of academic exchange programmes, rare in this part of the country, he said feeling elated by this visit.



सेवा में,
सम्पादक,
वाराणसी।

प्रेस विज्ञप्ति

एस.एम.एस. में फैरिस स्टेट यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक प्रतिनिधि मण्डल का आगमन

वाराणसी : फैरिस स्टेट यूनिवर्सिटी से १६ प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के प्रतिनिधि मण्डल का आध्यात्मिकता को समझने हेतु प्रबन्ध शिक्षा में अग्रणी संस्था स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेस, वाराणसी में आगमन हुआ। इस प्रतिनिधि मण्डल का उद्देश्य प्रबन्ध कार्य प्रणाली में आध्यात्मिकता के नैतिक परिमाणों पर चर्चा करना तथा समझना था। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु प्रो. कृष्णाकली मजूमदार तथा प्रो. ट्रेसी बुश एवं विद्यार्थियों ने एस.एम.एस. संस्थान को चुना। यह शैक्षणिक प्रतिनिधि मण्डल इस समय शैक्षणिक दौरे पर भारत आया हुआ है।

उनके एस.एम.एस. आगमन पर उनका स्वागत एस.एम.एस. के अधिशासी सचिव डॉ. एम.पी. सिंह एवं निदेशक प्रो. पी. एन. झा, कुलचिव श्री संजय गुप्ता, डॉ. संजय सक्सेना, आलोक कुमार, डॉ. मीनाक्षी सिंह तथा अन्य वरिष्ठ शिक्षकगणों ने किया। एस.एम.एस. कैम्पस का निरीक्षण करने के बाद प्रतिनिधि मण्डल एस.एम.एस. के संगोष्ठी कक्ष में एकत्रित हुआ जहाँ प्रो. ए.एन. त्रिपाठी (पूर्व अध्यक्ष— मालवीय सेन्टर फॉर ह्यूमन वेल्थ्स तथा विद्युत अभियांत्रिकी विभाग—आई.टी. बी.एच.यू.) ने उन्हें आध्यात्मिकता एवं मानव मूल्य का मर्म समझाया। प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि पुरुषार्थ का मतलब जीवन का मूल्य है। उन्होंने धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष के बारे में चर्चा करते हुये कहा कि इनके अन्दर ही समाहित है नैतिक एवं धार्मिक मूल्य जो हर इन्सान के जीवन को संचालित करने में मदद करता है। उन्होंने आगे कहा कि व्यापार का मानव सभ्यता के उद्भव में महत्वपूर्ण स्थान है तथा इसकी निरन्तरता को बनाये रखने के लिये

व्यवस्थापाकों एवं संचालकों में आध्यात्मिक मूल्यों का समावेश नितान्त आवश्यक है। इस अवसर पर शैक्षणिक प्रतिनिधि मण्डल के लिये एक योगा कैम्प का भी आयोजन संस्था के आध्यात्मिक एवं मानव संवर्धन केन्द्र द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वयन श्री संदीप सिंह, रीडर, एस.एम.एस. एवं डॉ. रविकान्त ने किया।

इस अवसर पर बोलते हुये प्रो. पी.एन. झा, निदेश, एस.एम.एस. ने कहा कि विश्व के प्रमुख संस्थानों द्वारा इस तरह के शैक्षणिक दौरे पर आने से हमें वैश्विक प्रबन्धन संस्कृति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है। उन्होंने आगे कहा कि इन संस्थानों द्वारा एस.एम.एस. द्वारा किये गये प्रयासों की प्रशंसा होती है तो यह एस.एम.एस. के लिये प्रेरणास्रोत बनती है जो संस्थान को निरन्तर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये प्रेरित करती है। यहाँ पर यह बताना आवश्यक है कि हाल के वर्षों में एस.एम.एस. का शैक्षणिक समझौता विश्व के कई अग्रणी देश जैसे यू.एस.ए., ब्राजील एवं हंगरी के प्रमुख संस्थानों से हुआ है जिसके तहत शैक्षणिक अदान-प्रदान होता रहता है।

